अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 128 पोर्ट ब्लेयर, बुधवार, 08 मई 2024 web: www. and.n

डीएआरई के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक द्वीपों के दौरे पर

किसानों से आय बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक खेती अपनाने का आग्रह

मायाबंदर, 7 मई।

नई दिल्ली में डीएआरई के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने किसानों से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने और अपनी आय बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कल उत्तर व मध्य अंडमान के नीम्बूडेरा में कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के प्रशासनिक सह प्रशिक्षण भवन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर सहायक महानिदेशक (फल एवं रोपण फसलें) डॉ. वी.बी. पटेल, कोलकाता में आईसीएआर–अटारी के निदेशक डॉ. प्रदीप डे और पोर्ट ब्लेयर में आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक डॉ. ई.बी. चाकुरकर शामिल थे।

महानिदेशक ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में, पारंपरिक खेती के तरीके अब लाभदायक नहीं हैं और किसानों के लिए नई किस्मों और वैज्ञानिक प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना और खाद्य प्रसंस्करण तथा विपणन विकल्पों का पता लगाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने टिप्पणी की कि केवीके उत्पादन बढ़ाने और आय बढ़ाने के लिए नवीन तकनीकों का प्रदर्शन करेगा और ज्ञान एवं विशेषज्ञता के साथ किसान अधिक कुशल तरीके से खेती कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के अन्य हिस्सों के विपरीत, अंडमान क्षेत्र प्रचुर जैव विविधता से समृद्ध है और उन्होंने किसानों को पारंपरिक किस्मों के स्थान पर वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई किस्मों को अपनाने की सलाह दी, क्योंकि उन्नत किस्मों की उपज चार गुना अधिक है।

सहायक महानिदेशक (फल और रोपण फसलें) डॉ. वी.बी. पटेल ने उत्पादन और आय को बढ़ावा देने के लिए कृषि, पशु विज्ञान, मत्स्य और अन्य संबंधित क्षेत्रों में किसानों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने वाले केवीके के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फसल की खेती में वैज्ञानिक तरीकों को लागू करने से बागवानी फसलों से कमाई में काफी वृद्धि हो सकती है। आईसीएआर–अटारी के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने उत्तर व मध्य अंडमान के कृषक समुदाय की सहायता में केवीके के महत्व से सभा को अवगत कराया।

शेष पृष्ठ 4 पर